UG- PROGRAMME

BA PART-2 PAPER-IV : History of Modern Asia (1839-2000)

UNIT-1 Colonial Intervention and Expansion

(c) Colonialism in South East Asia

Dr. D.N. Mehta.

दक्षिण पूर्व एशिया में उपनिवेशवाद

दिलचस्प तथ्य है कि दक्षिण पूर्व एशिया एक नया शब्द है। जिसका प्रयोग द्वितीय विश्वयुद्ध के पहले नहीं होता था। असल में, द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापानियों ने इस पूरे क्षेत्र पर लगभग कब्जा कर लिया था। इसी द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जब इस क्षेत्र को जापानियों के नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए **'दक्षिण-पूर्व एशिया'** कमान की स्थापना हुई, तभी से इस शब्द का प्रयोग होने लगा।

दक्षिण पूर्व एशिया के क्षेत्र में महाद्वीप के पूर्वी छोर पर बर्मा स्थित है। बर्मा को आजकल नया नाम 'म्यांनमार' से जाना जाता है। इसके ठीक बगल में दाहिने ओर थाइलैंड है। इस थाइलैंड के पूर्व तीन महत्वपूर्ण देश, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम हैं। ये तीनों देश 'हिन्द-चीन' के नाम से जाने जाते हैं। रोचक तथ्य है कि इन तीनों देशों को हिन्द-चीन (Indo-China) इसलिए कहा जाता है क्योंकि वियतनाम में जहाँ चीनी भाषा-संस्कृति की अधिक छाप दिखायी देती है तो वहीं शेष बचे दो देश लाओस और कम्बोडिया में स्पष्ट तौर पर भारतीय सभ्यता-संस्कृति का प्रभाव देखा जा सकता है। ठीक इसी तरह दक्षिण पूर्व एशिया के दो देश इन्डोनेशिया एवं फिलीपीन्स अवस्थित हैं। ये दोनो देश अनेक छोटे-बड़े द्वीपों वाले देश हैं इसलिए इन्हें द्वीपीय देश भी कहा जाता है। इनमें इन्डोनेशिया जनसंख्या की दृष्टि से दक्षिण पूर्व एशिया का सबसे बड़ा देश है।

विश्वयुद्ध से पहले इस क्षेत्र का उतना महत्व नहीं था। लेकिन दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जब चीन में साम्यवादी शासन स्थापित हुआ तब एकाएक पूँजीवादी विश्व की नजरें इस क्षेत्र पर टिक गईं और यह क्षेत्र सहसा ही महत्वपूर्ण हो गया।

नोट: *दक्षिण पूर्व एशिया के देशों का मानचित्र विवरण पृष्ठ सं-02 में उद्धृत है।*

mycompanion

Scanned with CamScanner

मानचित्र-1 : दक्षिण पूर्व एशिया

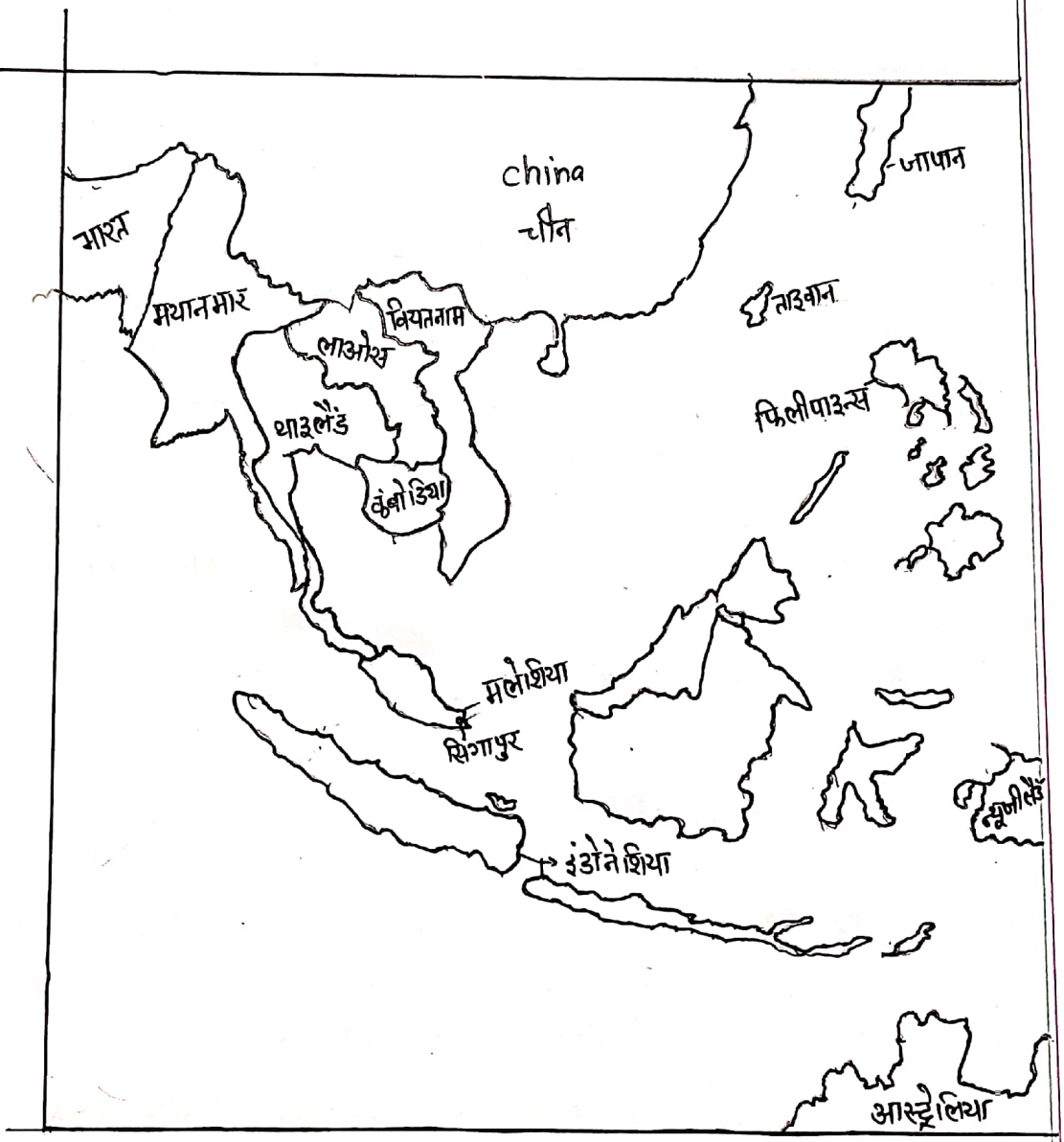

Scanned with CamScanner

I- मलाया या मलेशिया : उपनिवेशवाद की दृष्टि से मलाया में सबसे पहले पुर्तगालियों का आगमन हुआ। मलाया के एक प्रमुख बंदरगाह मलक्का पर पुर्तगालियों ने अधिकार कर लिया। जल्द ही यह मलक्का पूर्व के क्षेत्र में व्यापार का एक बड़ा केन्द्र बन गया। लेकिन 17वीं शताब्दी में हॉलैंड निवासी डच जब इस क्षेत्र में आए तो परिस्थितियाँ बदलीं। डचों ने पुर्तगालियों को पराजित 1641 ई. में मलक्का पर अधिकार कर लिया।

दिलचस्प तथ्य यह है कि यूरोपीय राजनीति के उथा-पटक का सीधा प्रभाव मलाया पर भी पड़ा। असल में, हुआ यह कि फ्रांसीसी क्रांति के बाद उभरे नेपोलियन ने जब यूरोप के इस हालैंड पर भी कब्जा कर लिया तो ब्रिटेन ने हॉलैंड के समस्त उपनिवेश पर अधिकार कर लिया। इसमें मलाया भी था। इस प्रकार मलाया ब्रिटिश नियंत्रण में चला गया। लेकिन 1815 के वियना कांग्रेस के समझौते के अनुसार एक फिर मलाया डचों के अधीन चला गया। लेकिन तब तक औपनिवेशिक खिलाड़ी ब्रिटेन सिंगापुर के महत्व को समझ गया था। 1824 ई० में अंग्रेजों ने अनेक तिकड़म भिड़ा कर सिंगापुर को स्थायी रुप से प्राप्त कर लिया। इसलिए सिंगापुर के विकास का श्रेय अंग्रेजों को जाता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के काल में इन क्षेत्रों पर जापान की तूती बोलती थी।

II हिन्द चीन (Indo-Chaina) : वास्तव में, हिन्द चीन के तहत दक्षिण-पूर्व एशिया के तीन देश - लाओस, कंबोडिया और वियतनाम आते हैं। जब ब्रिटेन चीन से अफीम युद्ध लड़ रहा था तब एक और यूरोपीय साम्राज्यवादी देश फ्रांस हिन्द चीन में अपना प्रभाव बढ़ा रहा था। ब्रिटिश साम्राज्यवाद का कट्टर प्रतिद्वंद्वी यह फ्रांस धीरे-धीरे पूरे हिन्दचीन को अपने नियंत्रण में ले लिया। इसके बाद ये तीनो क्षेत्र (लाओस, कम्बोडिया और वियतनाम) एक ही फ्रांसीसी गवर्नर के अधीन कर दिए गए। वस्तुतः फ्रांस की साम्राज्यवादी महात्वाकांक्षा अब हिलोरें मारने लगी। अब फ्रांस थाइलैंड और बर्मा (म्यानमार) पर भी नजरें गड़ा दिया। इस मामले में फ्रांसीसी साम्राज्यवादी आकांक्षा को तब और बल मिला जब बर्मा के राजा ने फ्रांस को टिंगकिंग से मॉडले तक रेल लाइन बिछाने की अनुमति दे दी। अब जाकर ब्रिटेन

Scanned with CamScanner

की आँख खुली। वह सकते में आ गया। इसकी वजह यह थी कि यदि फ्रांस की यह योजना सफल हो जाती तो भारत खतरे में आ जाता। ब्रिटिश साम्राज्य का चमकता हीरा 'भारत' को बचाने के लिए ब्रिटेन बेचैन हो गया। ब्रिटेन की बेचैनी इस घटना से समझी जा सकती है कि उसने बर्मा के राजा के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। ब्रिटेन इतने से नहीं माना, बल्कि उसने बर्मा के राजा को हराकर बंदी बना लिया तथा निर्वासित में भारत भेज दिया और बर्मा को ब्रिटिश भारतीय समाज्य का अंग बना लिया।

इस घटनाक्रम से थाइलैंड (श्याम) की स्थिति उभयनिष्ठ हो गई। वस्तुतः श्याम पर दोनो यूरोपीय साम्राज्यवादी देश ब्रिटेन तथा फ्रांस ने अपना दबदबा कायम किया। हालांकि उसकी स्वतंत्रता कायम रही।

III इन्डोनेशिया : मलाया के निकट का यह द्वीपीय देश में 15वीं शताब्दी तक भारतीय सभ्यता का परचम लहराता रहा। लेकिन 16वीं शताब्दी में जब इस्लाम का इस देश में प्रवेश हुआ तब यह देश तेजी से इस्लामीकृत हुआ। लेकिन तकरीबन एक शताब्दी बाद यानी 17वीं शताब्दी में पुर्तगाली आए और छा गए। लेकिन इसके ठीक बाद इस द्वीपीय देश में डचियों ने कदम रखे। डचियों का जबरदस्त विरोध पुर्तगालियों ने किया। लेकिन उनकी एक न चली और समूचे इन्डोनेशिया पर डचों का नियंत्रण कायम हुआ।

IV फिलीपीन्स : वास्तव में फिलीपीन दक्षिण प्रशान्त महासागर में स्थित कई हजार छोटे-बड़े द्वीपों का पुंज है। इसमें कुल 3141 द्वीप है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि फिलीपीन्स में सबसे पहले पुर्तगालियों का प्रवेश हुआ। पुर्तगाली व्यापारियों की राजनीतिक अकांक्षा तो पुरी नहीं हुई। लेकिन स्पेनी इस मामले में बाजी मार ले गए। कहा जाता है कि 1521 ई० में सुप्रसिद्ध स्पेनी यात्री **'फर्डिनेंड मैगेलन'** विश्व के चारो ओर चक्कर लगाता हुआ फिलीपीन्स पहूँचा। मैगेलन आते ही द्वीपवासियों से झगड़ पड़ा। उसने इन द्वीपों पर कब्जा करने का प्रयाश किया। लेकिन इस प्रयाश में वह मारा गया। मैगेलन की मौत के बाद भी स्पेनियों का हौसला नहीं टूटा और वे प्रयास करते रहे। 50 साल तक जूझने के बाद अंततः स्पेनियों ने मनीला पर कब्जा कर लिया। मनीला को आधार बनाकर स्पेन ने धीरे-धीरे समूचे फिलीपिन्स पर अधिकार कर लिया। 300 वर्षों तक शासन के पश्चात् क्यूबा के मसले पर स्पेन अमेरिका से लड़ बैठा। इसका परिणाम यह हुआ कि अमेरिका ने क्यूबा सहित फिलीपीन्स भी स्पेन से छीन लिया। 50 वर्षों तक वह अमेरिकी उपनिवेश रहा।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. आधुनिक जापान का इतिहास - सं० - के० टी० एस० सराओ
2. एशिया का आधुनिक इतिहास - दीनानाथ वर्मा
3. ~~आधुनिक विश्व का इतिहास - राजीव नयन प्रसाद~~
4. समकालीन विश्व का इतिहास - अर्जुन देव, इंदिरा अर्जुन देव
5. IGNOU - BOOK - EHI - 06

Dr. Dayanand Mehta
Assistant professor
(Deptt. of History)
Samastipur College, Samastipur.
L.N.M.U. Darbhanga.

email : dayanandmehta@gmail.com

Mob - 9470200031
7250160031

mycompanion

Scanned with CamScanner